



Sorab Singh

03 Aug 1990

Model: Numerology-Report

Order No: 120617301

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 120617301

Date: 19/12/2025

नाम	Sorab Singh
जन्म तिथि	03/08/1990
मूलांक	3
भाग्यांक	3
नामांक	5
मूलांक स्वामी	गुरु
भाग्यांक स्वामी	गुरु
नामांक स्वामी	बुध
मित्र अंक	6, 9, 3
शत्रु अंक	4, 8
सम अंक	1, 2, 5, 7
मुख्य वर्ष	2001,2010,2019,2028,2037,2046,2055,2064
शुभ आयु	11,20,29,38,47,56,65,74
शुभ वार	मंगल, शुक्र, गुरु
शुभ मास	मार्च, जन, सित
शुभ तारीख	3, 12, 21, 30
शुभ रत्न	पुखराज
शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
अनुकूल देव	विष्णु
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	पीत
मंत्र	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः
शुभ यंत्र	मंगल यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

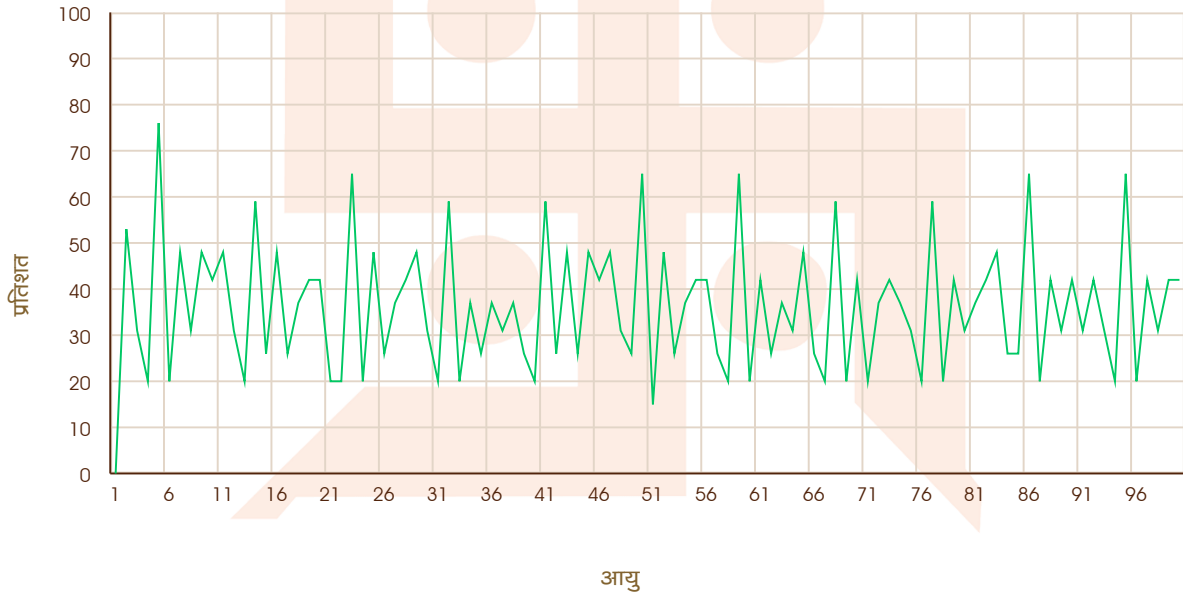


FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2001, 2010, 2019, 2028, 2037, 2046, 2055, 2064

शुभ आयु 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक तीन होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक तीन होता है। मूलांक तीनका स्वामी गुरु है। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप अनुशासन के मामले में काफी कठोर रहेंगे तथा अपने अधिनस्थों से सख्ती से कार्य लेंगे। काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस कारण कभी कभी आपके मातहत ही आपसे शत्रुता करने लगेंगे।

आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे और दूसरों पर शासन करने की आपकी सहज इच्छा रहेगी। गुरु ग्रह के प्रभाववश आपकी विचारधारा धार्मिक रहेगी तथा विद्या, अध्ययन, अध्यापन, बौद्धिक स्तर के कार्य तथा धर्म-कर्म के क्षेत्र में आपको अच्छी उपलब्धियाँ एवं ख्याति प्राप्त होगी।

मानसिक रूप से आप काफी संतुलित एवं विकसित व्यक्ति होंगे तथा किसी भी विषय को समझने की आप में विशेष क्षमता रहेगी। तर्क एवं ज्ञान शक्ति आपकी अच्छी रहेगी। आप मन से किसी का भी अहित नहीं करेंगे और दूसरों की भलाई करने में भी अपना समय देते रहेंगे। दान-पुण्य के कार्य भी आप काफी करेंगे। सामाजिक स्थिति आपकी काफी अच्छी रहेगी। समाज में आप अग्रणी एवं मुखिया पद का निर्वहन करना अधिक पसन्द करेंगे। दूसरों को सच्ची सलाह देना आप अपना धर्म समझेंगे।

स्वभाव से आप शान्त, कोमल हृदय, मृदुवाणी एवं सत्यवक्ता होंगे। सत्य के मार्ग पर आप चलते हुये कष्टों को भी सहन करेंगे एवं अन्त में विजयश्री को प्राप्त करेंगे। स्वास्थ्य आपका साधारणतः अनुकूल ही रहेगा। लेकिन कभी-कभी मंदाग्नि, जठराग्नि, उदर विकार इत्यादि रोगों का सामना करना पड़ेगा।

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

आपका मूलांक 3 है तथा आपका भाग्यांक भी 3 है। मूलांक एवं भाग्यांक 3 का स्वामी गुरु है। मूलांक एवं भाग्यांक एक ही होने से आपके अंदर गुरु ग्रह के प्रभाव द्विगुणित हो जाएंगे एवं मूलांक तथा भाग्यांक का पूर्ण फल आपको प्राप्त होगा। आप अपने

रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में अपनी प्रमुखता स्थापित करेंगे एवं अधीनस्थों से कार्य निकलवाने में निपुण रहेंगे। अपने जीवन में आप काफी धन-संपत्ति एकत्रित करेंगे तथा भूमि, वाहन का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप एक ईमानदार व्यक्ति की हैसियत बनाएंगे एवं सत्य के मार्ग पर चलेंगे। इस कारण थोड़े बहुत कष्टों का भी आपको सामना करना पड़ेगा, लेकिन अंत में सफलता प्राप्त करेंगे। आप ऐसे ही रोजगार का चुनाव करेंगे, जिसमें आपकी प्रमुखता रहे एवं लोग आपकी बात को मानें। आपकी सामाजिक स्थिति उच्च कोटि की रहेगी तथा लोग आपको भरपूर मान-सम्मान प्रदान करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे।

आपका भाग्योदय 21 वर्ष की आयु से प्रारंभ होगा, 30 वें वर्ष पर उन्नति प्राप्त होगी तथा 39 वें वर्ष की अवस्था पर पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपका मूलांक-भाग्यांक एक ही होने से मूलांक-भाग्यांक के फलों में द्विगुणित वृद्धि होगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन्, या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Sorab Singh
3+7+2+1+2 3+1+5+3+5
नाम का योग : 32 नामांक : 5

आपके नाम का कुल योग बत्तीस होता है। तीन एवं दो के योग से आपका नामांक पाँच होता है। नामांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। अंक तीन का स्वामी बृहस्पति तथा दो का स्वामी चन्द्र ग्रह है। इन तीनों ही ग्रहों के गुण अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। गुरु के प्रभाव से आपका नाम विस्तार को प्राप्त करेगा एवं आपका नाम समाज में दूर-दूर तक पहचान स्थापित करने में सफल होगा। आप एक बुद्धिजीवी के रूप में जाने जाएंगे। चन्द्र प्रभाव से आपके अन्दर कल्पना शक्ति अच्छी रहेगी एवं शारीरिक कार्यों की अपेक्षा बुद्धिजनित कार्यों में आप अधिक रुचि लेंगे। चन्द्र प्रभाव से आपका नाम कभी तो ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा और कभी धूमिल भी होगा। नामांक स्वामी बुध के प्रभाव से आपके अन्दर बुद्धि चातुर्य उच्चकोटि का रहेगा। व्यवसायिक कार्यों में आपका रुझान अधिक रहेगा। आप अपने कार्य क्षेत्र में एक लोक प्रिय व्यक्ति के रूप में जाने जाएंगे। आपका सामाजिक स्तर बौद्धिक तथा यथार्थ वादी एवं भौतिक स्तर का रहेगा।

आपके नाम का नामांक 5 है जोकि आपके मूलांक 3 तथा भाग्यांक 3 दोनों का ही मित्र है। अतः आपका नाम मूलांक भाग्यांक के शुभ प्रभाव से समाज में काफी अच्छे स्तर का रहेगा। आप अपनी मेहनत तथा प्रयत्न से अपने नाम में काफी वृद्धि प्राप्त करेंगे। गाँव शहर से लेकर देश-विदेश में जहाँ तक भी आपका कार्य क्षेत्र रहेगा वहाँ तक आपके नाम का प्रचार-प्रसार होगा। समाज में आपका नाम आदर एवं सम्मान से लिया जाएगा तथा सामाजिक लोकप्रियता आपको अच्छी प्राप्त होगी। जीवन के प्रारम्भ में आप इतने लोकप्रिय नहीं होंगे जितने कि प्रौढ़ावस्था में आप लोकप्रियता को प्राप्त करेंगे। आपका नाम प्रारम्भिक संघर्षों के दौर से गुजरेगा लेकिन किसी प्रकार का अपयश नहीं मिलेगा और न ही नाम में कोई गिरावट आयेगी। साधारणतः मूलांक भाग्यांक के प्रभाव से आप अपने जीवन में अपने नाम को काफी ऊँचाईयों प्रदान करेंगे।

आपका नामांक 5 आपके मूलांक 3 एवं भाग्यांक 3 से मिलान करता है। इसलिए आपको अपने नाम में परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी कारणवश आपको अपने नाम में परिवर्तन करना आवश्यक लगे, तब आप ऐसे ही नाम का चुनाव करें जिसका

नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 3 आता हो और 4 न हो तो ऐसा नामांक आपके लिए शुभ फलदायक एवं उन्नतिशील रहेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 6,9 अंक अच्छे रहेंगे तथा 8 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-

GANESHA

$$3+1+5+5+3+5+1=23=5$$

GANESH

$$3+1+5+5+3+5=22=4$$

एक अंक :-

RAM

$$2+1+4=7$$

RAMA

$$2+1+4+1=8$$

दो अंक :-

BINDRA

$$2+1+5+4+2+1=15=6$$

BRINDRA

$$2+2+1+5+4+2+1=17=8$$

तीन अंक :-

RAMCHAND

$$2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$$

RAMCHANDRA

$$2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=9$$

चार अंक :-

KRISHNA

$$2+2+1+3+5+5+1=19=1$$

KRESHNA

$$2+2+5+3+5+5+1=23=5$$

पाँच अंक :-

TEWARI

$$4+5+6+1+2+1=19=1$$

TIWARI

$$4+1+6+1+2+1=15=6$$

छः अंक :-

AGGARWAL

$$1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$$

AGARWAL

$$1+3+1+2+6+1+3=17=8$$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लोशु फल

4	9 9	2
3 3 3	5	7
8	1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में अंक एक केवल एक ही बार उपस्थित है। अतः आप अपनी अंतस्थ भावनाओं को कठिनता से व्यक्त कर पाते हैं या अपने भीतर के विचार व्यक्त करने में असमर्थ होते हैं। अन्य क्षेत्रों में आपका आचरण भले ही अच्छा हो किन्तु अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आपके लिए दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की प्रशंसा कर पाना भी थोड़ा मुश्किल होता है। विषाद एवं अकेलापन आपको आसानी से घेर लेता है। आप आंकड़ों एवं तथ्यों को इकट्ठा करने तथा संजोने में काफी ध्यान देते हैं, जिससे समय की बर्बादी होती है, तथा कार्य पूर्ण होने में अनावश्यक विलम्ब होता है। सतत विकाश एवं वृद्धि के लिए आपको शांत एवं

सौहार्दपूर्ण वातावरण की आवश्यकता होती है। आप नौकरी अथवा व्यवसाय में काफी हद तक सफल होते हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से दूसरों को न समझा पाने के कारण, या अपनी बातों को स्पष्ट न कर पाने के कारण कुछ असफलता का सामना भी करना पड़ता है।

अंक 2 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 2 का अंक अनुपस्थित है, अतः आप में अंतर्ज्ञान व सूक्ष्म चेतना का अभाव होता है, आप अपनी बात आत्मविश्वास से नहीं कह पाते। फलस्वरूप आप अपनी निश्चल व शांत अंतरात्मा की आवाज को न मानकर कई गलतियां करेंगे, आप अधीर और समय के पाबंद नहीं होते। ऐसे जातकों में अपनी गलती मान लेने की बजाय अपने कार्य को सही ठहराने की प्रवृत्ति होती है, आपमें संवेदनशीलता नहीं होती है, और दूसरों की मदद नहीं कर पाते हैं, आपमें पूर्वाभास अंतर्ज्ञान शक्ति की कमी रहती है। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप दूसरों की भावनाओं की कदर भी नहीं करते हैं। आप अपने मन की बात न सुनकर छोटी-छोटी गलतियां करते रहते हैं, आत्म विश्वासहीनता व दूसरों पर विश्वास की कमी जैसी विशिष्टताओं से पीड़ित रहते हैं, आपको अपने मन पर काबू रखना चाहिए। दूसरों की भावनाओं की कदर करनी चाहिए, और अपनी गलती माननी चाहिए। ऐसे जातकों को चाहिए कि जीवन में समता हासिल करना सीखें।

अंक 3 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक तीन बार उपस्थित है। अतः आपकी स्मरणशक्ति तीव्र होती है, और आप कल्पनाओं के संसार में विचरण करते हैं। दूसरों के साथ मधुर सम्बन्ध स्थापित करने में आपको कठिनाई का अनुभव होता है। आप अपने ऊपर निर्भर और हमेशा दूरस्थ दिखाई पड़ते हैं। आप विलक्षण वैचारिक क्षमता के स्वामी हैं, किन्तु प्रायः अपने स्वप्नों के जगत में खोये रहते हैं। आप दूसरों की बात कठिनता से सुनते या मानते हैं, अपितु कभी-कभी कुतर्क व क्षुद्रता का प्रदर्शन भी कर देते हैं, जिससे कई बार बहस की स्थिति बनती है। काल्पनिक होने के कारण आप कई क्षेत्रों में असफल भी हो जाते हैं। आप अपनी मर्जी के मालिक एवं चीजों को सहजता से लेने वाले हैं। अनेक चीजों में ध्यान लगाने एवं अत्यधिक खर्चीला होने के कारण नुकसान एवं निराशा होती है, तथा अवसर हाथ से निकल जाते हैं। निम्न स्तर की बातें, डिंग हांकने की प्रवृत्ति आपको अलोकप्रिय बना सकती है, और अगर कोई इनका फायदा उठाने की कोशिश करता है तो आप उसे कभी क्षमा नहीं कर पाते।

अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त

की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य की ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चयता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती।

आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता, तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित हैं। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषम कार्य दूढ़ते हैं। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित हैं। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान मेल-जोल रखें।

उदासीपनता के अंक - 2. 7 व 6

आपके लोशु चार्ट में 2. 7 व 6 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आपमें प्रेरक शक्ति का अभाव होता है, और अवसर दिए जाने पर भी आप उनका लाभ नहीं उठा पाते हैं। आप लोग हर समय अनिश्चय की भावना से ग्रसित रहते हैं, व रिस्क लेने से घबराते हैं। आप में क्रोध एवं निराशा की भावना कूट कूट कर भरी है और आपकी यह प्रवृत्ति होती है, कि जब आपकी पसंद के अनुसार तेजी से कार्य नहीं हो रहा हो तो आप इसे मुद्दा बना लेते हैं। आप आसानी से तनावग्रस्त एवं चिड़चिड़े हो जाते हैं, आपमें प्रेरणा की कमी होती है तथा आप लोग अपनी सोच



FUTUREPOINT
Astro Solutions



के प्रति असंगठित होते हैं तथा योजना बनाने में असफल हो जाते हैं। इसके कारण आप जीवन में कुछ अधिक उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हालांकि एक बार यदि आप स्व-अनुशासन सीख लेते हैं, तो बड़े पथ प्रदर्शक एवं प्रवर्तक बन जाते हैं। आपकी अग्रगामी सोच की योग्यता, मौलिक विचार एवं निष्ठा नई प्रगति के द्वार खोल सकती है। अतएव आप अपनी सामर्थ्य का प्रायः अंशमात्र लाभ ही प्राप्त कर पाते हैं।

शंका के अंक - 4, 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4, 5 व 6 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप शंकालु, सनकी व चिड़चिड़े होते हैं, आप व्यग्र, जोखिम भरे साहसिक कार्य करने वाले, तथा कामुक प्रवृत्ति के होते हैं। आपमें बदले एवं पच्छतावे की भावना अधिक होती है, चिंता करना आपका स्वभाव होता है। और आप जीवन के ऋणात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। आप ऐसे व्यक्ति का परिचायक हैं, जो अँधेरे में रहने का आदि हो, और दिन के प्रकाश में कम निकलता हो, आप लोग जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने से डरते हैं। आपको जीवन में उतार-चढ़ाव, निराशा एवं दुःख का सामना करना पड़ता है, इसके लिए आप स्वयं उत्तरदाई होते हैं क्योंकि आप लोग दूसरों से अपेक्षा से अधिक आशा कर लेते हैं। आप परिवार एवं दोस्तों का काफी ख्याल रखते हैं, तथा आप अपने नजदीकी लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। कई बार आप सनकी और उन्मादी भी हो जाते हैं, जिसके कारण कई बार प्रियजनों से आपको समस्या भी हो जाती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक

प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति दानाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्व अंक - 6, 7 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में धातु तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आप न तो किसी के अनुचित दबाव में रह सकते हैं और न कोई इनके विचारों पर हावी हो सकता है। आप स्वतंत्र निर्णय लेने वाले होते हैं। अनेक योजनाएं बनाते हैं। लेकिन उनको कार्यरूप नहीं दे पाते। विद्या प्राप्ति में भी कई बाधाएं आती हैं। सम्पत्ति एवं धन झगड़ों का सामना करना पड़ता है। आपमें ईर्ष्या की भावना दूसरों की अपेक्षा अधिक होती है। इनका झुकाव 2, 3, 4, 6, 9, अंक के स्त्री- पुरुषों की और अधिक होता है। इसमें 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। ये दोनों अंक धातु तत्व को दर्शाते हैं। इन दोनों अंकों की अनुपस्थिति सुखों में कमी लाने वाली है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य 21 नवंबर से 20 दिसंबर तक धनु राशि में एवं 19 फरवरी से 20 मार्च तक मीन राशि में तथा 21 जून से 20 जुलाई तक कर्क राशि में पाश्चात्य मत से रहता है। भारतीय मत से यह 15 दिसंबर से 13 जनवरी तक धनु में एवं 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि में तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। धनु एवं मीन राशियां गुरु का स्वस्थान अथवा अपना घर है। कर्क राशि गुरु का उच्च स्थान है। अतः उपर्युक्त समय में मूलांक तीन प्रभावियों के लिए सबसे अधिक प्रभावकारी एवं लाभप्रद समय रहता है। इस काल में कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य इत्यादि करना आपके लिए विशेष योगकारक रहेगा।

अनुकूल दिवस

गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार के दिन आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगे। यदि आपकी अनुकूल तारीखों में से ही किसी तारीख को गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार पड़ रहा हो तो ऐसा दिन आपके लिए अधिक अनुकूल तथा श्रेष्ठ फलदायक होगा।

शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी नये कार्य को प्रारंभ करने, महत्वपूर्ण या विशिष्ट व्यक्तियों से मिलने, पत्र इत्यादि लिखने हेतु शुभ रहेंगी। अतः यदि आप उपर्युक्त तारीखों में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य करती हैं तो शीघ्र सफलता मिलेगी।

अशुभ तारीखें

आपको किसी भी अंग्रेजी माह की 4, 8, 13, 17, 22, 26 एवं 31 तारीखें प्रतिकूल हो सकती हैं। अतः कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उपर्युक्त तारीखों में संपन्न करना आपके लिए अहितकर रहेगा।

मित्रता या साझेदारी

आप ऐसे व्यक्तियों से मित्रता या साझेदारी स्थापित करें, जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों में, अथवा 15 दिसंबर से 13 जनवरी, 13 मार्च से 13 अप्रैल एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति आपके लिए अनुकूल सहयोगी तथा विश्वासपात्र सिद्ध होंगे। इस प्रकार के व्यक्तियों से आपकी मित्रता स्थायी एवं दीर्घ रहेगी तथा वे रोजगार, व्यवसाय, साझेदारी आदि में सहायक रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आपको विवाह या प्रेम संबंध स्थापित करते समय यह देखना लाभप्रद रहेगा कि उस महिला का मूलांक 3, 6 या 9 हो अथवा ऐसी महिला का जन्म किसी भी अंग्रेजी मास की

3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 या 30 तारीख को हुआ हो। इन दिनांकों में जन्मी स्त्रियां आपके लिए विशेष फलदायी और अच्छा साथ निभाने वाली रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग हल्का गुलाबी, चमकीला गुलाबी है। गुलाबी भी पूरा गुलाबी नहीं, बल्कि हल्का गुलाबी होना चाहिए। अतः आप ड्राइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग के लें। हो सके तो इस रंग का रुमाल तो हर समय रखें। स्वास्थ्य की क्षीणता के समय भी आप हो सके तो इसी रंग के वस्त्र पहनें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए ऐसे मकान में रहना शुभ रहेगा जिसका मूलांक या नामांक 3 हो। ईशान कोण दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। अतः आप शहर की ईशान कोण दिशा में अपना निवास बना सकते हैं। इस दिशा में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करना शुभ रहेगा। पहनने के वस्त्रों का चुनाव करते समय भूरा, पीला, सुनहरी रंगों के होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा और यदि आप दीवारें, पर्दे, फर्नीचर का रंग भी ऐसा ही रखें तो आपके पारिवारिक वातावरण में खुशहाली आएगी।

शुभ वाहन नं

अगर आप यात्रा के दौरान कमरा इत्यादि बुक करवाते हैं, तो आपको चाहिए की कमरे का नंबर आपके मूलांक या मूलांक के मित्र अंक से मेल करने वाले अंकों का रहे। आपका मूलांक 3 है। मूलांक के मित्र अंक 6, 9 रहेंगे। आपके कमरे का नंबर 102 = 3 इत्यादि होना चाहिए और यदि आप वाहन आदि का पंजीकरण इत्यादि करवाते हैं, तब उसके लिए भी शुभ अंक 5232 = 3 रहेंगे। आपके लिए यही अंक यात्रा के वाहन के रहेंगे, तो आपकी यात्रा सुखमय कहलाएगी।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको चर्म रोग, दाद, खाज, खुजली, प्रमेह, ज़हरवाद, पित्त प्रकोप, शूल रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक उद्वेग, गुप्तेन्द्रिय शैथिल्य, भोग के प्रति अरुचि, रक्त दोष जैसे रोग होंगे। रोग अशुभता कष्ट और विपत्ति के समय आपको विष्णु उपासना, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण करना चाहिए।

व्यवसाय

वस्त्र उद्योग, ढाबे, रेस्टोरेंट, होटल, पान की दुकान, अध्यापन, उपदेशक, व्याख्याता, प्राध्यापक, राजदूत, मंत्री, कानून के सलाहकार, वकील, न्यायाधीश, सचिव, दूत कार्य, क्लर्क, चिकित्सा कार्य, बैंकिंग के कार्य, दलाल, आदत, विज्ञापनकर्ता, अभिनेता, सेल्समैन, टाइपिस्ट, स्टेनो, जल जहाज में कार्यकर्ता, पुलिस विभाग, दर्शनशास्त्री, प्रबंधक एवं जलीय व्यापार।

व्रतोपवास

बृहस्पतिवार को बृहस्पति अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। बृहस्पतिवार को पीले वस्त्र धारण कर व्रत करें। पीला भोजन ग्रहण करें एवं पीले पदार्थों का दान करें। यह व्रत तीन वर्ष, एक वर्ष या सोलह बृहस्पतिवारों को करें। यथाशक्ति पुत्रजीवी की माला पर गुरु मंत्र का जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

पुखराज आपके लिए मुख्य रत्न है। यदि पुखराज न मिले तब आप सुनेला, टाईगर आई, पीला हकीक धारण कर सकते हैं। इसे आप सोने की अंगूठी में चार से पांच रत्ती का बनवा कर दायाँ हाथ की तर्जनी उंगली को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बृहस्पति ग्रह की उपासना करें अथवा विष्णु भगवान की आराधना करें। भगवान विष्णु के द्वादशाक्षरी मंत्र "ओम् नमो भगवते वासुदेवाय" का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णमासी के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो इस किया को करने पर आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान विष्णु के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए गुरु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु गुरु के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

गुरु गायत्री मंत्र - ॐ अंगिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीवः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप गुरु का ध्यान करें, मन में गुरु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ गुरु को अनुकूल बनाने हेतु गुरु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ आठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ग्राँ ग्रीं ग्राँ सः गुरवे नमः ॥ जप संख्या 10000 ॥

वनस्पति धारण

आप गुरुवार के दिन एक इंच लंबी नारंगी या केले की जड़ ला कर, पीले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या स्वर्ण या पीतल के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे गुरु ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक गुरुवार को एक बाल्टी या बर्तन में मुलेठी, सफेद सरसों तथा मालती के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ गुरु के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध इन सबको मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

गुरु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को गुरु के पदार्थ, पीला वस्त्र, सोना, हल्दी, घृत, पीले पुष्प, पीला अन्न, पुखराज, अश्व, पुस्तक, मधु, लवण, शर्करा, भूमि, छत्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

गुरु को अनुकूल बनाये रखने हेतु गुरु यंत्र को भोज पत्र पर अष्ट गंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में गुरुवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

